

५४९  
(स्वामी ब्रह्मानन्दके लिखित)

गोपाललाल भिला, बनारस  
२४ फेब्रुवारी, १९०२

अभिन्नहृदयेषु,

तोमार प्रेरित एकटि आमेरिकान छोट पार्शेल आज प्रातःकाले पेलुम। रेजिस्ट्रि-करा ये पत्रेर कथा लिखेछ, ता केन, कोन पत्रेइ पाईनि। नेपालओयाला एलो कि ना, कि वृत्तान्त, ए-सब तो किछुइ जानते पारलुम ना। एकखाना चिठि लिखते हलेइ एत हाङ्गामा आर देरि! ... एखन हिसेबटा पेले ये बाँचि! ता आवार क-मासे पाई!

बिबेकानन्द